

901

801(AA)

2019

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1
- i) 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र' को हिन्दी गद्य-साहित्य का जनक माना जाता है ।
 - ii) 'रानी केतकी की कहानी' की लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान हैं ।
 - iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक प्रख्यात कवि हैं ।
 - iv) डॉ० धर्मवीर भारती पूर्व मध्य काल के कवि हैं ।

IIIVVI900

[Turn over

801(AA)

2

ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

- i) 'चिन्तामणि'
- ii) 'जनमेजय का नागयज्ञ'
- iii) 'मेरी यूरोप यात्रा'
- iv) 'विश्व-साहित्य की रूपरेखा' ।

ग) 'मैला आंचल' के रचनाकार का नाम लिखिए । 1

घ) 'कलम का सिपाही' किस गद्य विधा पर आधारित रचना है ? 1

ङ) रेखाचित्र-साहित्य के किन्हीं दो लेखकों के नाम लिखिए । 1

2. क) द्विवेदी-युग की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2

ख) प्रयोगवादी काव्यधारा की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । 2

ग) 'छायावाद' के किसी एक कवि का नाम लिखिए । 1

IIIVVI900

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 + 2 + 2$

क) मैं नहीं जानती कि वह शहंशाह था या साधारण मुगल, पर एक दिन इसी झोपड़ी के नीचे वह रहा। मैंने सुना था कि वह मेरा घर बनवाने की आज्ञा दे चुका था। मैं आजीवन अपनी झोपड़ी खोदवाने के डर से भयभीत रही। भगवान ने सुन लिया, मैं आज इसे छोड़े जाती हूँ। अब तुम इसका मकान बनाओ या महल, मैं अपने चिर-विश्राम-गृह जाती हूँ।

- उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
 - रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
 - आजीवन भयभीत रहने का कारण लिखिए।
- ख) मानव-मन सदा से ही अज्ञात के रहस्यों को खोलने और जानने-समझने को उत्सुक रहा है। जहाँ तक वह नहीं पहुँच सकता था, वहाँ वह कल्पना के पंखों पर उड़कर पहुँचा। उसकी अनगढ़ और अविश्वनीय कथाएँ उसे सत्य के निकट पहुँचाने में प्रेरणा-शक्ति का काम करती रहीं।

- उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- मानव-मन किसके लिए उत्सुक रहा ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : $1 + 4 + 1$

क) रानी मैं जानी अजानी महा,

पबि पाहन हूँ ते कठोर हियो है।

राजहू काज अकाज न जान्यो,

कह्यो तिय को जिन कान कियो है ॥

ऐसी मनोहर मूरति ये,

बिछुरे कैसे प्रतीम लोग जियो है ?

आँखिन में, सखि ! राखिबे जोग

इन्हें किमि के बनवास दियो है ?

ख) सागर निज छाती पर जिनके,

अगणित अर्णव-पोत उठाकर।

पहुँचाया करता था प्रमुदित,

भूमंडल के सकल तटों पर ॥

नदियाँ जिसकी यश-धारा-सी,

बहती हैं अब भी निशि-वासर।

दूँदो, उनके चरण चिह्न भी,

पाओगे तुम इनके तट पर ॥

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

- i) जयशंकर प्रसाद
- ii) जय प्रकाश भारती
- iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

- ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

- i) सूरदास
- ii) सुमित्रा नन्दन पन्त
- iii) सुभद्रा कुमारी चौहान ।

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी । इयं विमल सलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिता । अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते । अर्गाणताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानां च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति ।

अथवा

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप ! कदापि मा वृथाः ।

अत्यन्त सरस हृदयो यतः परेषां गुणग्रहीतासि ॥

7. क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

- ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1

- i) वाराणसी किमर्थ प्रसिद्धा ?
- ii) नीर-क्षीर विषये हंसस्य का विशेषता अस्ति ?
- iii) वीरः केन पूज्यते ?
- iv) ग्रामीणान् का उपाहसत् ?

8. क) हास्य रस अथवा करुण रस की परिभाषा उदाहरण-सहित लिखिए । 2

- ख) 'उत्प्रेक्षा' अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण-सहित लिखिए । 2

- ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' छन्द की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए । 2

9. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : $1 + 1 + 1$

- i) अ
- ii) अनु
- iii) सु
- iv) अभि
- v) सह
- vi) परि ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : $1 + 1$

- i) आई
- ii) ता
- iii) वा
- iv) त्व
- v) बट
- vi) हट ।

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए : $1 + 1$

- i) पाणिपाद
- ii) त्रिभुवन
- iii) महात्मा
- iv) यशोधन
- v) चन्द्रशेखर
- vi) चौराहा ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : $1 + 1$

- i) दूध
- ii) मक्खी
- iii) कुआँ
- iv) भाप ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : $1 + 1$

- i) पक्षी
- ii) आँख
- iii) आकाश
- iv) जननी
- v) गज ।

10. क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए
और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1

- i) सु + आगतम्
- ii) गुरु + आदेशः
- iii) महा + औजः
- iv) तदा + एव ।

ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप षष्ठी विभक्ति,
बहुवचन में लिखिए : 1 + 1

- i) फल अथवा मति
- ii) तद् (स्त्री) युष्मद् ।

ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार,
पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

- i) पठेत्
- ii) हसन्तु
- iii) अपचाम्
- iv) दृक्ष्यास ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत
में अनुवाद कीजिए : 1 + 1

- i) बालिकाएँ घर जाती हैं ।
- ii) भारत हमारा देश है ।
- iii) छात्रों को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए ।
- iv) तुम अपना कर्तव्य करो ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध
लिखिए : 6

- i) प्रदूषण की समस्या एवं समाधान
- ii) क्रिकेट मैच का आँखों देखा हाल
- iii) परिश्रम ही सफलता की कुंजी है
- iv) मोबाइल से होने वाले दुष्परिणाम
- v) देश-प्रेम ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित
प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : 3

- क) i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-
चित्रण कीजिए ।
- ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के 'आन्दोलन' सर्ग
(चतुर्थ) की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

- ख) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए ।
- ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर 'कलिंग-युद्ध' का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।
- ग) i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।
- ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- घ) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।
- ङ) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर किसी घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।
- ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक की चारित्रिक विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

- च) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'राजसूय यज्ञ' सर्ग की कथावस्तु अपनी भाषा में लिखिए ।
- ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- छ) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक सर्ग का कथानक लिखिए जिसने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया हो ।
- ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- ज) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए ।
- ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का सारांश लिखिए ।
- झ) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।